

**Title:** Regarding reported remarks of the Chief Minister of Uttar Pradesh and a Union Minister on the construction of Ram Temple at Ayodhya and Agenda of National Democratic Alliance.

MR. SPEAKER: Now, the House will take up `Zero Hour`.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Now, Shri Rajesh Pilot will speak.

SHRI RAJESH PILOT (DAUSA): Sir, I have a very important question and I want to ask it before the hon. Prime Minister leaves. The hon. Prime Minister is sitting here. If you read the hon. Prime Minister's speeches given in Parliament and outside Parliament, you would find him saying that this Government which is of NDA and BJP both together have no connection with the three issues. He had talked about Uniform Civil Code, article 370 and the Mosque and Mandir issue. He said that they are not connected with these three issues. He has said this in Parliament in his address. It is on record.

Today, a very important B.J.P. office bearer and a Minister in this Government, Kumari Uma Bharati was giving interview on television over telephone from Bhopal where I was answering. She said that all the three issues are alive and the moment B.J.P. comes to power on its own, all these three things will be implemented.

Sir, the nation cannot be kept in dark. It is the question of the future of the nation. If this is the ideology of my colleagues who are partners in the Government, they may clarify it to the nation. If this is their approach, the nation should know. They have taken a vote on different platform and are sitting together.

Sir, the hon. Prime Minister must answer this question to the nation and to Parliament.

SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI (RAIGANJ): Mr. Speaker, Sir, the Chief Minister of Uttar Pradesh having occupied the Constitutional position had been to Ayodhya day before yesterday... (Interruptions)

">MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI (GARHWAL): Sir, they want to have a debate... (Interruptions)

">SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : Sir, he publicly stated:

">"Ram Temple at Ayodhya may not be on the agenda of the National Democratic Alliance but as far as the B.J.P. is concerned, it is very much in our agenda."

">Sir, after that, a function was held and Nitya Gopal Das and other saints assembled there. They started singing hymns and also raised slogans in support of liberation of Kashi and Mathura. The Chief Minister, Shri Gupta followed suit and reiterated that it is very much on the B.J.P.'s agenda. If the proclamation by the NDA's manifesto to the public is that these are not on their agenda, will the hon. Home Minister and the hon. Prime Minister clarify in the House that it is not the agenda of the B.J.P. also? It is because the B.J.P. is the principal partner in the Government. The earlier Chief Minister of Uttar Pradesh, Shri Kalyan Singh said in the Supreme Court that the Mosque is safe and later on he proved to be the architect for demolition of the Mosque.

">Again, the present Chief Minister also is whipping the sentiments of the people in Ayodhya by going to Ayodhya and saying that the temple is very much on his agenda. Not only that, he said and I quote as his quotation has come in the newspapers:

">"Later on, the Chief Minister Mr. Gupta said, it is in our agenda.

">शुद्ध रामलला जी शक्ति दे ताकि उस शक्ति से मैं जल्दी ही टेम्पल का कंस्ट्रक्शन कर सकूं।"

">

">The Chief Minister has said this. This is something very serious.(

">अवधान)

">

">अध्यक्ष महोदय : चीफ मिनिस्टर का स्टेटमेंट यहां कैसे डिस्कस करेंगे?

">

SHRI MADHAVRAO SCINDIA (GUNA): This is a very serious issue. I would like to ask our friends. I would like to quote one more sentence, Sir. The Chief Minister did not just stop at that. I quote from The Times of India where the Chief Minister said:

">MR. SPEAKER: How can you discuss all the statements of the Chief Ministers here?

">SHRI MADHAVRAO SCINDIA : "...singing hymns and raising slogans in support of the liberation of Kashi and Mathura. The Chief Minister followed suit and so did some officials accompanying him."

">Even Kashi and Mathura issue has tacitly been raised by the Chief Minister and the officials who had accompanied him. We would

like to know what is the exact position of the Bharatiya Janata Party; whether the real face of the BJP is revealing itself. What is the attitude on this particular matter of our secular friends who are sitting there supporting them? They must make their position clear..(

">व्यवधान)

">

">योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : महोदय, जिस विषय पर सदन में चर्चा हो चुकी है, उस मुद्दे को बार-बार यहां उठाने का क्या औचित्य है?

... (व्यवधान)

">

">अध्यक्ष महोदय : आप अभी बैठ जाइए, आपको भी बुलाएंगे।

">

">

श्री मुलायम सिंह यादव (सम्भल) : महोदय, जहां तक अयोध्या, मथुरा और काशी के संबंध में भारतीय जनता पार्टी का दृष्टिकोण है उसके बारे में हमें कहीं भ्रम नहीं है, हमारे कांग्रेस के मित्रों को तो हो सकता है। उनका सीधा-सीधा मुद्दा है लेकिन सरकार चलाने के लिए केवल अपने सहयोगी दलों का समर्थन लेना है। सरकार पर हर तरह से कब्जा करना है इसलिए ये उनका गुप्त एजेंडा है। केवल उमा भारती जी नहीं बल्कि यहां बहुत बड़े-बड़े लीडर बैठे हुए हैं, महत्वपूर्ण विभाग हैं, वे भी कह चुके हैं कि जब तक हमारी पार्टी का बहुमत नहीं है तब तक इन मुद्दों को अस्थायी रूप से छोड़ा हुआ है। बहुमत आते ही इन मुद्दों पर अमल किया जाएगा। हम प्रधानमंत्री जी और गृह मंत्री जी से दो सवाल पूछना चाहते हैं। आप एक तरफ कहते हैं कि हमारा गुप्त एजेंडा कोई नहीं है, विने के लोग हमारी सरकार के पीछे पड़े रहते हैं। ये गिराते हैं और प्रधानमंत्री रहते नहीं देते हैं। ये उल्टे आरोप लगाते हैं, जब हम कहते हैं कि गुप्त एजेंडा है, अगर गुप्त एजेंडा नहीं है तो सदन में यह स्पष्ट करें कि हमेशा के लिए ये मुद्दे छोड़ दिये हैं। दूसरी बात यह है कि जो यूनाइटेड जनता दल है वह उत्तर प्रदेश की सरकार में शामिल है, मिनिस्टर भी है। जो यूनाइटेड जनता दल है, चाहे जार्ज साहब हो या उनका कोई भी अन्य मंत्री जिम्मेदार हो, वे भी अपनी नीति स्पष्ट करें। यहां तो आपने राष्ट्रीय एजेंडा के नाम पर अलग मुद्दा रखवा दिया है। जब उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री इस सवाल को वहां उठा रहे हैं तथा कह रहे हैं कि भाजपा ने ये मुद्दे छोड़े नहीं हैं यूनाइटेड जनता दल की नीति क्या है तो क्या मुख्य मंत्री के मंत्रित्व में उनका मंत्री रहना उचित है। जब वहां मुख्य मंत्री के नेतृत्व में यूनाइटेड जनता दल शामिल है। यहां तो अपने को जनता के बीच में सेक्यूलर कहेगा, बिहार के चुनाव में भी सेक्यूलर का चेहरा लेकर आएगा तो हम रामविलास जी से पूछना चाहते हैं और आपसे भी दो सवाल पूछना चाहते हैं कि जब आपको मंत्री बनना था तो फिर क्यों एक वोट से सरकार गिरा दी। उस समय ही आपको मंत्री बन जाना चाहिए था। दूसरी तरफ जब उ.प्र. के मुख्य मंत्री जी बयान दे रहे हैं तो आपका एक मंत्री भी मंत्रिमंडल में है फिर आप भी अपनी स्थिति को स्पष्ट करें कि आप सरकार के समर्थन में हैं या उत्तर प्रदेश की सरकार का समर्थन आपकी पार्टी करेगी। उ.प्र. के मुख्यमंत्री के बयान के बारे में अपनी राय स्पष्ट करें।... (व्यवधान)

">

">डॉ. नसबंतसिंह यादव (अलवर) : आप सेक्यूलरिज्म किसे कहते हैं।

... (व्यवधान)

हम गर्व से कहते हैं कि हम हिंदू हैं, आप नहीं कह सकते हैं। मैं भारत राष्ट्र का नागरिक हूँ। आप वोटों के लिए लोगों को गुमराह करते हैं।

... (व्यवधान)

">

">मैं कहता हूँ कि मैं भारत राष्ट्र के अंदर पैदा हुआ हूँ।

... (व्यवधान)

">

">श्री प्रियरंजन दासमुंशी : आप कब से हिंदू धर्म के ठेकेदार बन गये हैं।

">

">अध्यक्ष महोदय : मुलायम सिंह जी, आप अब समाप्त करिए।

">

">श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, हमें और माननीय सदस्यों का जवाब नहीं सुनना है न हम सुन रहे थे। हम तो सीधे-सीधे प्रधान मंत्री जी से सवाल करना चाहते हैं कि आप जिस पद पर विराजमान हैं इससे ऊंचा पद और कोई नहीं हो सकता। इसलिए दो जुबान से बात नहीं होनी चाहिए। हम यह नहीं कहते कि आप राम को छोड़ दें। आप राम को मानते हैं, मैं हनुमान को मानता हूँ।

... (व्यवधान)

हिंदुत्व की भावनाओं को भड़काकर क्या फिर देश में दंगे-फसाद, हत्याएं, आगजनी कराने का इरादा

... (व्यवधान)

मुख्यमंत्री जिनके हाथ में कानून और व्यवस्था होती है वह ऐसी बात

... (व्यवधान)

">

">अध्यक्ष महोदय : आप रोज हाउस में डिस्कस करते रहते हैं।

... (व्यवधान)

">

">श्री श्याम बिहारी मिश्र (बिल्हौर) : अध्यक्ष जी, इनके मुख्यमंत्रित्व काल में सबसे ज्यादा दंगे हुए हैं। बीजेपी के शासन में एक भी दंगा नहीं हुआ है।

">

">श्री खारबेल स्वाई (बालासोर) : अध्यक्ष जी, इनके शासन में सबसे ज्यादा दंगे हुए, इन्हें क्या अधिकार है ऐसी बातें कहने का।

... (व्यवधान)

">

">श्री रघुनाथ झा (गोपालगंज) : अध्यक्ष जी, हम भी बोलना चाहते हैं, हमें भी बोलने दीजिए।

... (व्यवधान)

">

">योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष जी, जिस विषय पर पहले चर्चा हो चुकी है उस मुद्दे को फिर उठाया जा रहा है।

... (व्यवधान)

अयोध्या में राम मंदिर बनना चाहिए। यहां पर विरोध का औचित्य क्या है?

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: Please take your seat.

">... (Interruptions)

">SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Sir, let the Prime Minister clarify it.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please understand that today sixty new Members have given notices to raise important issues. Please understand the situation.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please take your seat.

">श्री मुलायम सिंह यादव : अध्यक्ष जी, या तो हमें बैठा दीजिए या सदन में ऐसी व्यवस्था कीजिए कि हम बोल सकें। कृपया सदन को व्यवस्थित कीजिए

... (व्यवधान)

अध्यक्ष जी, मुख्यमंत्री के हाथों में कानून और व्यवस्था है और मुख्यमंत्री का इस तरह का ब्यान असंवैधानिक है। उन्होंने संविधान की कसम खाई है, इसलिए यह मामला गंभीर है। इसलिए प्रधान मंत्री जी इस बात को स्पष्ट करें।

... (व्यवधान)

">

">अध्यक्ष महोदय : आपको भी बुलायेंगे, आप बैठ जाइये।

">

">श्री शिवराजसिंह चौहान (विदिशा) : अध्यक्ष जी, क्या इसी को लेकर सदन में चर्चा होती रहेगी।

... (व्यवधान)

मैंने भी नोटिस दिया है, इसके अलावा भी बहुत सी समस्याएं हैं जिन पर चर्चा होनी चाहिए।

... (व्यवधान)

">

">योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष जी, बार-बार क्या एक ही मुद्दा सदन में उठेगा। राम मंदिर मुद्दे पर पहले भी चर्चा हो चुकी है। हम भी महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना चाहता हैं। देश में और भी समस्याएं हैं, जिनपर चर्चा होना चाहिए।

">

">अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये, आपको भी बुलाऊंगा।

">

">MR. SPEAKER: I have called Shri Somnath Chatterjee. Please take your seat.

">... (Interruptions)

SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): Mr. Speaker, Sir, this cannot be treated as a mere internal matter of the BJP. It cannot be treated that only the BJP is concerned about this matter. Therefore, it cannot be said that we should ignore their internal matter because they are in trouble in Uttar Pradesh. (Interruptions)

**श्री योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदय, दो दिन पहले इस पर चर्चा हो चुकी है। इस मुद्दे को क्यों बार-बार उठाया जा रहा है?**

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: I have not called your name. Please take your seat.

">... (Interruptions)

**श्री योगी आदित्यनाथ : अध्यक्ष महोदय, गन्ना किसानों की हालत खराब है। उनके बारे में इन्हें कोई चिन्ता नहीं है। देश में दंगे करवाने का षडयंत्र रचा जा रहा है। ... (व्यवधान)**

">

">MR. SPEAKER: This is too much. Please take your seat.

">... (Interruptions)

">SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, it has been proclaimed by the Prime Minister of India, and the whole country has been told even before the elections, that NDA has been formed with a particular view, to keep out of its agenda three major issues over which the country had been agitated for a long time. It was very much there even in the 1998 Manifesto of the BJP. (Interruptions)

">MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI : Mr. Speaker, Sir, how many times should we hear this? We are hearing this everyday. (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Khanduri, when a senior Member is speaking, is this the way to behave? Please take your seat.

">... (Interruptions)

">MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI : Sir, people are dying in my area and I am not able to raise that issue here. How long will this go on here? (Interruptions)

**श्री डॉ. विनय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, यहाँ रोनाना यही भाषण होता है। दूसरे कई मुद्दों पर चर्चा करने की आवश्यकता है।**

... (व्यवधान)

">

">SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, I do not know how many Speakers shall we have in the House. (Interruptions)

">MAJ. GEN. (RETD.) B.C. KHANDURI : Sir, I want to raise an important issue pertaining to my area. (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Somnath Chatterjee says.

">(Interruptions)\*

">SHRI SOMNATH CHATTERJEE (BOLPUR): In spite of Speaker's permission given to me to speak, shall I have to keep them in good humour so that I can say something in this House? (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please understand that when senior Members are speaking, we must maintain dignity.

">... (Interruptions)

">SHRI SOMNATH CHATTERJEE : Sir, if they had not interrupted me, I would have finished by this time. Why are they impatient? (Interruptions)

">Sir, I was saying why we feel agitated about it. There is a commitment by the Government that these three matters will be kept out of the Government's agenda altogether. This was not a mere election propoganda, but this was a commitment. This has been reiterated on the floor of this House and there is a commitment to this country. Now we were told that just because, according to the BJP, coalition politics has come to stay, they have to adjust their own policies and programmes and they will not insist anything on these matters. I believe that some of our friends here were misled to enter the NDA on the basis of that assurance. It is for them to decide whether that assurance has been made or not. What has happened now? There are certain developments in Uttar Pradesh, the biggest State in this country. The Prime Minister's own nominee is there now. The whole country knows that the present Chief Minister of Uttar Pradesh is the Prime Minister's own choice. He has openly said: 'we shall do it' and he is committing himself to the nation as the head of the BJP Government in Uttar Pradesh. Not only that; he also said:

">\*Not Recorded.

">`we shall go upto Mathura and Kashi". Now, we would like to know from the Government, the Prime Minister with how many voices the BJP will speak. In Parliament they will speak in one voice, in Uttar Pradesh they will speak in another voice, same party, same leadership and there is no contradiction by the Prime Minister of India. He has not pulled up the Chief Minister of Uttar Pradesh. Therefore, I would like to know whether what was committed to the nation by the BJP's leader, Shri Atal Bihari Vajpayee, was meant to be honoured or not.

">Or was it just an election rhetoric? Therefore, they must make their position absolutely clear whether the country has been misled because it is a question of unity and integrity of the country. If those are minor matters, they would not have consciously left them out. They have consciously left them out. I have my own doubt that the TDP support is also based on that commitment. Shri Yerrannaidu is here. I do not know what will be his response to that.

">Well, there are many of my friends here. I am sure they condescended to join the NDA bandwagon on the basis they are keeping the controversial issues out which have been dividing the country. Therefore, it is the bounden duty of the Government and the country to take the House into confidence and tell the people as to what is the response? Otherwise, the people will know that this is a Government which is out to attack the integrity and unity of this country seriously. ... (Interruptions)

SHRI K. YERRANNAIDU (SRIKAKULAM): Mr. Speaker Sir, I do not want to take much of your time. There is a confusion because of the statements. There has been a commitment to this House and to the nation before the elections and after the elections. All these three issues have also not been mentioned in the President's Address. It would be better if the hon. Prime Minister gives a clarification in this House to the nation. That is my humble request.

">MR. SPEAKER: Now, hon. Prime Minister.

">श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, माननीय मुलायम सिंह यादव ने हमारी पार्टी जनता दल (यू) का दो बार नाम लिया है..

">

">MR. SPEAKER: No, no, please.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: I have called the hon. Prime Minister. Please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: What is this?

">श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, क्या हम अपनी बात नहीं कह सकते?

... (व्यवधान)

जे.डी.(यू) क्या अपनी बात नहीं कह सकती? हमारा नाम लेकर कहा गया है, मैं अपनी बात एक मिनट में कहूंगा

... (व्यवधान)

.. मेरा इतना कहना है कि माननीय मुलायम सिंह ने हमारी पार्टी का दो बार नाम लिया है।">

">MR. SPEAKER: Shri Yadav, please understand that I have already called the Prime Minister.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: You are obstructing the hon. Prime Minister.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : माननीय मुलायम सिंह जी ने हमारी पार्टी का दो बार नाम लिया है...

श्री मुलायम सिंह यादव : तो आप हमारी पार्टी का नाम ले लो...

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : मुझे अपनी बात कहने में क्या जाता है? माननीय मुलायम सिंह जी ने हमारी पार्टी का दो बार नाम लिया है....

MR. SPEAKER: No, no; please take your seat.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : क्या हम अपनी बात नहीं कह सकते?

MR. SPEAKER: I have called the hon. Prime Minister. Please take your seat.

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : बाद में क्या बोलें? अध्यक्ष महोदय, सदन की ऐसी परम्परा नहीं रही है। हम कोई नये मੈम्बर नहीं है, चौथी बार चुनकर आये है।

MR. SPEAKER: This should not go into the record.

(Interruptions) \*

---

\*Not Recorded.

SHRI RAJESH PILOT : Mr. Speaker, Sir, he has said something.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Pilot, I have not allowed him. It will not go into the record.

... (Interruptions)

SHRI RAJESH PILOT : But he has said something.

MR. SPEAKER: I have not allowed him. Please understand it.

SHRI RAJESH PILOT : He has said, "BJP has withdrawn this issue."

MR. SPEAKER: Shri Pilot, this will not go into the record. I have already said it.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Bandyopadhyay, please take your seat.

... (Interruptions)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (CALCUTTA NORTH WEST): I have only one submission.

MR. SPEAKER: Please understand that this is not a good practice. I have called the hon. Prime Minister.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please show courtesy to the post of Prime Minister.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Please take your seat. What is this?

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: When I called the hon. Prime Minister, you are objecting to that even.

... (Interruptions)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I should express the stand of my Party. I will only speak for a minute about the viewpoint of my Party. ... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Bandyopadhyay, please take your seat.

">SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : I will take only a minute.

">MR. SPEAKER: Shri Bandyopadhyay, please take your seat.

">SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY :Sir, what we categorically say is this. We oppose any such statement which creates confusion in the minds of the people of India. We have our full confidence that NDA took some decisions to lead the Government.... (Interruptions)

">SHRI RAJESH PILOT : It is their own programme. (Interruptions) They are coming to the House and then implementing their agenda.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Bandyopadhyay, please take your seat.

">SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : We are the partner of NDA. NDA has made a few positive commitments that they will not raise issues which can create confusion in the minds of the people. He should restrain any statement of any Chief Minister, and we would

appeal, on behalf of our Party, to the hon. Prime Minister to see that statements should not come up in such a fashion which create unnecessary confusion and consequently lead to an uncertainty.

">MR. SPEAKER: Now, the hon. Prime Minister, please.

">... (Interruptions)

">SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI : The Janata Dal should clarify its position.(Interruptions)

">MR. SPEAKER: Now, the hon. Prime Minister please.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please take your seat. Order please.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Athawale, please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please take your seat. What is this?

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: No, please take your seat.

">

प्रधान मंत्री (श्री अटल बिहारी वाजपेयी): अध्यक्ष महोदय, कुछ मित्रों ने ... (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, आज जो मामला उठाया गया है, वह समाचार पत्रों में जो कुछ प्रकाशित हुआ है, उसके आधार पर उठाया गया है, इससे कोई इनकार नहीं कर सकता। मैंने भी समाचार पत्रों में पढ़ा और मैंने जानने की कोशिश की कि वहां क्या कहा गया था। मैं पता लगा रहा हूँ, पूरी रिपोर्ट मुझे मिलेगी। कभी-कभी बातें जो कही जाती हैं उसी रूप में प्रकाशित हों, यह जरूरी नहीं है। मैं किसी को दोष नहीं दे रहा हूँ

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: What is this? Please take your seat. What is this?

">SHRI S. JAIPAL REDDY (MIRYALGUDA): May I interrupt him, Sir?

">श्री मनसूर अली खाँ (सहारनपुर) : आप यह बात कह रहे हैं और यहां मेम्बर्स कुछ और कहते हैं। इससे ज्यादा कंट्रिडिक्शन क्या होगा।

... (व्यवधान)

">

">श्री राजेश पायलट : यह गलत बात है।

... (व्यवधान)

">

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, हमारा कोई गुप्त एजेंडा नहीं है ... (व्यवधान) हम जिस एजेंडे के आधार पर चुनाव लड़े थे, मिलकर लड़े थे, मतदान से पहले लड़े थे और उसी के आधार पर हम जनता का समर्थन प्राप्त करके आये हैं, उसी के आधार पर हम विश्वास लेकर आये हैं। उस एजेंडे में यह बात बिल्कुल साफ है कि तीन विवादग्रस्त मुद्दों का उस एजेंडे में कोई उल्लेख नहीं है, कोई स्थान नहीं है ... (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, १९९८ और १९९९ में फर्क यही है

... (व्यवधान)

">

">SHRI MADHAVRAO SCINDIA : It is in the BJP's agenda.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Dasmunsi, please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Let him complete. Shri Jaipal Reddy, you are a senior Member of this House. ... (Interruptions)

">श्री माधवराव सिंधिया : अध्यक्ष महोदय, उमा भारती जी ने भी कहा है, जो केन्द्रीय मंत्रिडल की सदस्य है।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: First, let him complete.

">... (Interruptions)

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, जब हमने चुनाव लड़ने का फैसला किया तब हमने एक नया मैनीफेस्टो बनाया। वह प्रकाशित मैनीफेस्टो है। उसे लेकर हम लोगों के पास गए थे। उसमें इन तीन मुद्दों का कोई उल्लेख नहीं है और वही हमारा कार्यक्रम है। हम उसी को लेकर चल रहे हैं, उसे लेकर आगे बढ़ रहे हैं। इसके बारे में किसी के मन में किसी प्रकार का भ्रम नहीं होना चाहिए।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: Shri Mani Shankar Aiyar, please take your seat.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Shri Ramdas Athawale, when the Prime Minister is speaking, you should not disturb. This is too much.

">... (Interruptions)

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, ये जो भी निर्वाचित होकर आए हैं, वे नेशनल एजेंडा के आधार पर निर्वाचित होकर आए हैं। व्यक्तिगत राय अलग-अलग हो सकती है, लेकिन यह सरकार और एन.डी.ए.

... (व्यवधान)

">

">THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION TECHNOLOGY (SHRI PRAMOD MAHAJAN): Sir, we have a serious objection. (Interruptions).

">MR. SPEAKER: Shri Basu Deb Acharia, please take your seat.

">... (Interruptions)

">श्री बसुदेव आचार्य (बांकुरा) : चीफ मिनिस्टर का स्टेटमेंट है। यह व्यक्तिगत राय कैसे हो सकती है

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: Please take your seat.

">... (Interruptions)

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: मैं पता लगवा रहा हूँ।

... (व्यवधान)

">

">श्री मोहन रावले (मुम्बई दक्षिण-मध्य) : अध्यक्ष महोदय, ये प्रधान मंत्री जी को भी बोलने नहीं दे रहे हैं। ऐसा कैसे चलेगा। इन्होंने महाराष्ट्र में दंगे कराने शुरू कर दिए हैं।

... (व्यवधान)

">

">SHRI MADHAVRAO SCINDIA : Kumari Uma Bharati is a Member of the Council of Ministers. (Interruptions).

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, हम अपने इरादों में कितने पक्के हैं,

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: Running commentary is not good. Please take your seat. This is not a good thing. Please take your seat.

">... (Interruptions)

">संसदीय कार्य मंत्री तथा सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री प्रमोद महानन) : पता है, तो फिर पूछ क्यों रहे हैं।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: Shri Mani Shankar Aiyar, what is this?

">... (Interruptions)

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: अध्यक्ष महोदय, १९९८ के चुनावों में हमने अपना अलग घोषणापत्र भी प्रकाशित किया था। उसमें इसका उल्लेख था, लेकिन इस बार का जो मैनीफेस्टो है, उसमें इसका उल्लेख नहीं है। हमारा कोई अलग घोषणापत्र नहीं है और हम एक सम्मिलित घोषणापत्र के आधार पर लड़े हैं, उसी से पूरी पार्टी बनी है और उसी से सारी सरकार चल रही है। जो हम कह रहे हैं उस पर आप धरोसा नहीं कर रहे हैं, यह ताज्जुब की बात है। ६ दिसम्बर बीत गई, अयोध्या में शान्ति रही, सारे देश में शान्ति रही, उसी से आप परेशान हैं।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: He is not yielding.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: He is not yielding. Shri Mani Shankar Aiyar, he is not yielding. Please take your seat.

">श्री श्याम बिहारी मिश्र : अध्यक्ष महोदय, यदि ये प्रधान मंत्री जी को बोलने नहीं देगे और इसी प्रकार से बीच में टोकेंगे, तो फिर हम भी इन्हें बोलने नहीं देगे।

... (व्यवधान)

">

">श्री शौशराम सिंह रवि (बिजनौर) : अध्यक्ष महोदय, जब तक प्रधान मंत्री जी बोलें, तब तक इनमें से कोई भी न बोलें।

">... (व्यवधान)

">

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: केवल हम कह नहीं रहे हैं, उस पर आचरण भी कर रहे हैं।

... (व्यवधान)

काशी में जो कोई भी कदम उठाना चाहते थे, उन्हें रोका गया, गिरफ्तार किया गया।

... (व्यवधान)

अयोध्या में भी हमने किसी तरह की गड़बड़ नहीं होने दी। यह हमारा आचरण बोलेगा कि आपके मन में जो भ्रम है, उसके आधार पर आप बोलेंगे। ... (व्यवधान)">

">श्री प्रियरंजन दासमुंशी : आपके मंत्री भी बोलें हैं।

... (व्यवधान)

आपके मंत्रिमंडल के जो सदस्य हैं।

... (व्यवधान)

">

">श्री माधवराव सिंधिया : काशी, मथुरा के बारे में आपके मंत्री बोलें हैं। ... (व्यवधान) जो स्लोगन उठाये गये

... (व्यवधान)

जो नारे दिये गये।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: No running commentary please.

">... (Interruptions)

">श्री माधवराव सिंधिया : इनके मुख्यमंत्री शामिल हुए।

... (व्यवधान)

उन्होंने कहा कि काशी मथुरा हम लेंगे।

... (व्यवधान)

">

">MR. SPEAKER: This is a Chief Minister's statement. How can you discuss it here?

">... (Interruptions)

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: उन्होंने क्या कहा, मैं पता लगा रहा हूँ। आप थोड़ा धैर्य रखिये।

... (व्यवधान)

">

">श्री बसुदेव आचार्य : आपको पता लगाने में कितना समय लगेगा।

... (व्यवधान)

">

">श्री अटल बिहारी वाजपेयी: हम जिस घोषणा-पत्र के आधार पर चुनाव लड़े थे, जिस के आधार पर हम जीते हैं, वही हमारे लिए अंतिम है। अगर कोई इधर-उधर की बात कहता है तो वह गलत कहता है। उसको नहीं कहना चाहिए और आपको भी उसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए।

... (व्यवधान)

">

">श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, यह बात बिल्कुल सही नहीं है।

... (व्यवधान)

">

">श्री माधवराव सिधिया : हम मुख्य मंत्री जी को गंभीरता से नहीं लेंगे? ... (व्यवधान) मंत्री जी को गंभीरता से न लें तो आपकी पार्टी में से किसे गंभीरता से लें?

... (व्यवधान)

यह बड़े आश्चर्य की बात है।

... (व्यवधान)

">

">श्री राजेश पायलट : अध्यक्ष महोदय, हमने बहुत सीधा सवाल पूछा था जिसका प्रधान मंत्री जी ने उत्तर नहीं दिया।

">... (व्यवधान)

">हमने प्रधान मंत्री जी से पूछा था कि आप प्रधान मंत्री के साथ-साथ बी.जे.पी. के भी लीडर हैं। आप बी.जे.पी. की तरफ से कह दीजिए कि वे तीनों इश्यू बाहर हैं।

">... (व्यवधान)

">">

">MR. SPEAKER: Now, Shri Satyavrat Chaturvedi.

">... (Interruptions)

">SHRI RAJESH PILOT : Sir, our question is not answered...(Interruptions)

">MR. SPEAKER: I have called Shri Satyavrat Chaturvedi. He has given a notice for Zero Hour.

">... (Interruptions)

">MR. SPEAKER: Nothing will go on record except what Shri Satyavrat Chaturvedi says.

">(Interruptions)\*

">MR. SPEAKER: Shri Rajesh Pilot, the hon. Prime Minister has already given a reply and still you are insisting. What is this?

">... (Interruptions)